# University in News on 17 November 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

## दिसंबर के पहले सप्ताह में पीएचडी की प्रवेश परीक्षा

### लखनऊ विवि : अगले सप्ताह से शुरू होगी आवेदनों की स्क्रूटनी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन तिथि बीत चुकी है। दिसंबर के पहले सप्ताह में प्रवेश परीक्षा कराने की योजना है। अगले सप्ताह से प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी का काम शुरू होगा।

लविवि ने 10 अक्तूबर को 42 विभागों में पीएचडी में प्रवेश से के लिए अधिसूचना जारी की थी। इसमें विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में 927 नियमित और 28 पार्ट-टाइम सीटों पर आवेदन आमंत्रित किए गए थे। आवेदन फॉर्म भरे जाने की अंतिम तिथि पांच नवंबर थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 15 नवंबर तक कर दिया गया था।

इसके बाद अब प्रवेश परीक्षा की तैयारी है। दाखिले के लिए परीक्षा 70 अंकों की होगी। 30 अंकों का साक्षात्कार होगा। इसी के आधार पर मेरिट तैयार की जाएगी। किन विषयों में सीटों के मुकाबले कितने अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है, इसकी सूचना भी विवि जल्द जारी कर देगा।

### गणित में शोध विधियों पर काम जरूरी

लखनऊ। भारत गणित परिषद (बीजीपी) के 71वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन शनिवार को लविवि के गणित विभाग में हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. एसए कटरे ने किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक समस्याओं से निपटने के लिए गणित में शोध विधियों पर काम होना बहुत आवश्यक है। प्रो. कमला डी. ने विभाग के संस्थापक प्रो. एएन सिंह की स्मृति में व्याख्यान दिया। उन्होंने संख्या सिद्धांत, ज्यामिति और गतिकी में शामिल यूक्लिडियन स्थानों के कुछ विशेष उप समूहों पर अपने विचार व्यक्त किए। संयोजक प्रो. पंकज माथुर, प्रो. पीयूष चंद्रा, डॉ. श्याम किशोर, प्रो. एसए कात्रे, प्रो. कृष्णेंदु गोंगोपाध्याय, प्रो. वेंकटेश्वर तिवारी, प्रो. मलय बनर्जी मौजूद रहे। (संवाद)

### 'एक राष्ट्र एक चुनाव' देगा देश को नई दिशा

लखनऊ। लखनऊ विवि के लोक प्रशासन विभाग में शनिवार को 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विषय पर व्याख्यान हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' प्रधानमंत्री के सबसे पुराने संकल्पों में से एक है। अब यह अपनी पूर्णता की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इसके लागू होने से देश को एक नई दिशा मिलेगी।

मुख्य वक्ता प्रो. बलराज चौहान ने राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक पहलुओं पर चर्चा की। विशिष्ट वक्ता अपर मुख्य सचिव वेंकटेश्वर लू ने कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' को आम जनमानस के बीच चर्चा के माध्यम प्रभावी बनाया जा सकता है। महाराजा गंगा सिंह विवि बीकानेर के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने कहा कि यह विकास के नए मापदंड तय करेगा। कार्यक्रम संयोजक विभागाध्यक्ष प्रो. नंदलाल भारती व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। अंत में शोधार्थियों ने विविध विषयों से संबंधित अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 7

## एलयू छात्र कानूनी बहस में छा गए

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से आयोजित पांचवें नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में शनिवार को छात्रों ने अद्भुत कानूनी बहसों का दृश्य प्रस्तुत किया। जिससे चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं।

संकायाध्यक्ष प्रो. बंशीधर सिंह ने बताया कि शुरुआती दौर में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। दो चरणों की कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया का संचालन एक प्रतिष्ठित जजों के पैनल ने किया। मंथन के बाद आठ टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने बताया कि देश भर से प्रतिभाग कर रहीं 29 टीमों में चार टीमें सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाने में सफल रहीं।

## सुशासन के लिए एक चुनाव जरूरी

सेमिनार

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। प्रदेश के नगर विकास, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि देश को समृद्धि और सुशासन की ओर ले जाने के लिए 'वन नेशन वन इलेक्शन' बहुत आवश्यक है। केंद्र, राज्यों व स्थानीय निकायों में अलग-अलग एवं बार-बार होने वाले चुनावों से देश को आर्थिक नुकसान हो रहा और देश पूरी तरह से खोखला होता जा रहा है। देश में 'वन नेशन वन इलेक्शन' की संवैधानिक व्यवस्था लागू होने से देश विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में लोक प्रशासन विभाग की अटल सुशासन पीठ की ओर से वन नेशन वन इलेक्शनः देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि एके शर्मा ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन से देश की प्रशासनिक क्षमता बढ़ेगी व विकास कार्यों को गति मिलेगी और पूरे देश में सुशासन की स्थापना होगी। एके शर्मा ने कहा कि मुझे 2001 से गुजरात में प्रशासनिक सेवा में पीएम मोदी के साथ कार्य करने का मौका मिला। वह देश हित में हमेशा निर्णय लेते हैं। एक शर्मा ने सुशासन और विकसित भारत की संकल्पना नामक पुस्तक का विमोचन किया।

प्रमुख सचिव एल. वेंकटेश्वर लू, नेशनल यूनिवर्सिटी भोपाल के कुलपति प्रो. बलराज चौहान, एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय समेत अन्य मौजूद रहे।

एलयू में शनिवार को एक राष्ट्र, एक चुनाव पर सेमिनार में मंत्री एके शर्मा शामिल हुए।

## एलयू में महिला सशक्तीकरण पर वाद-विवाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत तथा प्राच्य भाषा विभाग, हिन्दी विभाग की ओर से मिशन शक्ति पांचवे चरण के तहत वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। संयोजिका डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने बताया कि क्या स्त्री सशक्तीकरण के लिए पश्चिमीकरण अनिवार्य है विषय पर प्रतियोगिता हुई। लगभग 70 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

### एलयू में नाटक का हुआ मंचन

LUCKNOW: एलयू के सांस्कृतिकी की ओर से काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी वर्ष में होने वाले कार्यक्रमों के अंतर्गत नाटककार सुशील कुमार सिंह, अनिल कुमार मिश्र एवं भारतेंदु नाटक मंडली ने नाट्य पाठ का मंचन किया.

### मूट कोर्ट के सेमीफाइनल में पहुंचीं 4 टीमें

LUCKNOW: एलयू के विधि संकाय की ओर से आयोजित पांचवी नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में शनिवार को अद्भुत कानूनी बहसों का दृश्य प्रस्तुत किया. देश के विभिन्न राज्यों से आई 29 टीमों ने जोश और कौशल के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया. गहन विचार-विमर्श और मंथन के बाद आठ टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. जैसे-जैसे प्रतियोगिता आगे बढ़ी, कानूनी बहसों और भी तीव्र होती गई. अंततः चार टीमें सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाने में सफल रही. सेमीफाइनल, फाइनल मुकाबले के साथ समापन समारोह रविवार को होगा.

i-NEXT PAGE 4

## अभिव्यक्ति ने स्पर्श किए विमर्श के नए आयाम

### राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने किया अभिव्यक्ति के उत्सव संवादी का शुभारंभ

PICS: DAINIK JAGRAN-I NEXT

सात सत्रों में देर शाम तक चला साहित्यए सिनेमा और वक्फ संपत्ति पर विमर्श

LUCKNOW (16 Nov): अभिव्यक्ति के उत्सव संवादी ने शुभारंभ के साथ ही विमर्श के नए आयाम स्पर्श किए. आयोजन का प्रथम दिवस बौद्धिक क्षुधापूर्ति की आस लेकर आए लोगों की अपेक्षा पर खरा उतरा. इससे पहले लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने शनिवार को दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ किया. उन्होंने दसवां सोपान स्पर्श कर चुके कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि समाज में व्याप्त समस्याओंए विवाद और संशयों का एकमात्र समाधान सकारात्मक संवाद ही है. आज इंटरनेट मीडिया के समय में संवादहीनता बढ़ गई है. ऐसे में दैनिक जागरण का यह प्रयास सराहनीय है. राज्यपाल ने जागरण बेस्ट सेलर की सूची जारी की. उद्घाटन सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक राय तथा दैनिक जागरण के राज्य संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल उपस्थित रहे.

जागरण की बेस्टसेलर की सूची जारी करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी आलोक कुमार राय व संपादक दैनिक जागरण उत्तर प्रदेश आशुतोष शुक्ल

साहित्य को भी नेहरू और मोदी युग में बांटने के प्रयास पर मतभिन्नता ने मंच से दीर्घा तक अपना प्रभाव छोड़ा.

#### सहमति-असहमति

उद्घाटन के पश्चात साहित्य से प्रारंभ हुई चर्चा ने सहमति-असहमति तथा व्यंग्य और कटाक्ष के बीच करतल ध्वनि बटोरी. साहित्य को भी नेहरू और मोदी युग में बांटने के प्रयास पर मतभिन्नता ने मंच से दीर्घा तक अपना प्रभाव छोड़ा. इसमें प्रो. सुधीश पचौरी, प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. पवन अग्रवाल के साथ अनंत विजय ने संवाद किया. प्रो. उदय प्रताप सिंह ने तंज कसा कि पुस्तक के लेखक सुधीश ने मोदी युग का जो जुमला फेंका है वह इनकी मजबूरी है. इस पर अगला प्रश्न हुआ. मोदी के गुणगान से क्या हासिल हो जाएगा.

#### सत्यता लगभग 'अश्वत्थामा हतो...'

अनंत विजय ने पूछा, विभाजन की पीड़ा, 84 के दंगे और 90 के बाद के काल को साहित्य में स्थान क्यों नही मिला? प्रो. उदय बोले, हिंदी वाले दूर तक नही सोचते. वक्फसंपत्ति संशोधन विधेयक पर हुई चर्चा के सत्र ने कई शंकाएं दूर की. सार यह रहा है कि एक्ट को लेकर सत्यता लगभग 'अश्वत्थामा हतो...' वाली ही है. मंच पर मौजूद संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने स्पष्ट कहा कि इस पर बताया कुछ जा रहा है, लेकिन सत्य कुछ और है.

प्रबुद्ध नागरिक कार्यक्रम में हुए शामिल.

#### रजवाड़ों की विरासत पर चर्चा

लेखक व इतिहासकार उदय माहुरकर ने कहा, वीर सावरकर राष्ट्रीय सुरक्षा के पितामह थे. 'रजवाड़ों की विरासत पर हुई वार्ता में दरभंगा के राजा युवराज कुमार कपिलेश्वर सिंह, अयोध्या के यतीन्द्र मिश्र, गुजरात के बालानिसोर की आलिया बाबी के साथ प्रशांत कश्यप ने रोचक बातें की. 'राष्ट्र निर्माण के सौ वर्ष' पर केंद्रित चर्चा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेन्द्र ठाकुर ने संवाद किया. 'रोमांस का राजा' सत्र में राज कपूर, लता और गुलज़ार के जीवनी लेखक यतीन्द्र मिश्र, संगीत विशेषज्ञ यूनुस खान और गायक पंकज कुमार ने श्रोताओं को अपने आकर्षणपाश में बांधे रखा.

#### जब दीर्घा हो गई गंभीर

इसके बाद लेखिका नाइश हसन की पुस्तक 'मुताह' और निर्मल पांडेय की 'पुस्तक हिंदुत्व का राष्ट्रीयकरण' के झकझोरने वाले तथ्यों ने दीर्घा को गंभीर कर दिया. यह सुनकर लोगों को आश्चर्य था कि आज भी 10-15 दिन और दो माह की शादी हो रही है. निर्मल ने कहा, कुछ विघटनकारी ताकतों ने भारत को कभी राष्ट्र नहीं माना. 'जागरण हिंदी बेस्टसेलर' में इस बार हिंदुओं का हश्र, महाभारत का अनावरण और वीर सावरकर को शामिल किया गया. संचालन कर रहे लेखक नवीन चौधरी ने किया. लेखिका अमि गणात्रा ने धर्म की अपने स्तर पर व्याख्या की. विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि आजाद भारत के इतिहासकारों ने इस्लाम के बलपूर्वक विस्तार की घातक प्रवृत्तियों को छिपा कर रखा.

AMRIT VICHAR PAGE 4

## बाढ़ के पानी, फसल व भूगोल की ज्यामिति पर हुआ मंथन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ देश के कोने-कोने से आए गणितज्ञों ने कई प्रकार के शोध पर की चर्चा

**अमृत विचार:** गणित और अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति विषय पर देश के कोने-कोने से आए गणित के विशेषज्ञों ने विभिन्न प्रकार के गणितीय शोध पर चर्चा किया। भारत गणित परिषद (बीजीपी) के 71वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित और खगोल विज्ञान विभाग में हुआ। अध्यक्षीय भाषण प्रो. पीयूष चंद्रा ने देते हुए सम्मेलन के विषय और आधुनिक चुनौतियों से निपटने में संख्या सिद्धांत, ज्यामिति और गतिकी में शामिल यूक्लिडियन स्थानों के कुछ विशेष उपसमूहों पर व्याख्यान दिया।

प्रो. बेंकटेश्वर तिवारी की अध्यक्षता में एक सामान्य प्रक्षेप सूत्र पर प्रो. एसए कात्रे की प्रस्तुति और हेक ग्रुप्स में पारस्परिकता पर प्रो. कृष्णेंदु गोंगोपाध्याय की बातचीत हुई। प्रो. अथानासे पापाडोपोलोस ने गणित और भूगोल में सतहों के बीच न्यूनतम फैलाव के मानचित्र पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में प्रो. पीयूष चंद्रा, डॉ. विनीत कुमार वर्मा, प्रो. मलय बनर्जी ने व्यख्यान दिया।

प्रो. एके मिश्रा, ने फसल की पैदावार बढ़ाने के लिए कीटों के रासायनिक और जैविक नियंत्रण का गणितीय मॉडलिंग और विश्लेषण पर रोचक व्याख्यान दिया। प्रो. एस सुंदर द्वारा जाली रहित ज्यामितीय संरक्षण भारित न्यूनतम वर्ग विधि का उपयोग करके उथले पानी के समीकरणों को हल करने के लिए दृष्टिकोण और प्रो. पीएल पटेल द्वारा निचली तापी नदी, भारत में बाढ़ की लहरों के प्रसार के संख्यात्मक मॉडलिंग पर केस स्टडी शामिल थी। बीजीपी के सचिव प्रो. पंकज माथुर ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया।

### कानून के विषयों पर छात्रों ने किया मंथन

**अमृत विचार, लखनऊ:** लविवि के विधि संकाय द्वारा आयोजित 5वां नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के दूसरे दिन कानूनी बहसों का दृश्य प्रस्तुत किया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आई 29 टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।जिसमें कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, मूल्यांकन प्रक्रिया का संचालन जजों के पैनल ने किया। गहन विचार-विमर्श के बाद, 8 टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सेमीफाइनल, फाइनल और समापन समारोह कल आयोजित किए जाएंगे।

JAGRAN CITY PAGE III

## बिना ई-केवाईसी नहीं मिलेगा फ्री स्मार्ट फोन

### लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी की सत्यापन पेडिंग वाले 9063 विद्यार्थियों की सूची

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय अब बिना ई-केवाईसी (नो योर कस्टमर) सत्यापन के स्नातक के छात्र-छात्राओं को फ्री मोबाइल वितरण नहीं करेगा। विश्वविद्यालय में डिजीशक्ति योजना के नोडल अधिकारी डा. आरबी सिंह ने अभी तक ई-केवाइसी का सत्यापन कराने वाले स्नातक तीसरे व पांचवें सेमेस्टर के 9063 विद्यार्थियों की सूची वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर शनिवार को अपलोड कर दी है।

डा. आरबी सिंह ने बताया कि सत्र 2023-24 के इन सभी छात्र-छात्राओं को सरकारी निर्देश के अनुसार अपना ई-केवाइसी डिजीशक्ति पोर्टल https://digishakti.up.gov.in पर कराना होगा। इसका यूजर मैनुअल सूची में दिया गया है। साफ कहा है कि ई-केवाइसी सफलतापूर्वक पूर्वक करने वालों को ही स्मार्टफोन/टैबलेट दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अब तक सत्यापन न कराने वाले ऐसे छात्र-छात्राओं की सूची में पेंडिंग लिखा है। जैसे जैसे सत्यापन होगा, डिजीशक्ति पोर्टल के माध्यम से सूचना आ जाएगी। उन्हीं के नाम सरकार को स्मार्ट फोन के लिए भेजे जाएंगे। माना जा रहा है कि स्मार्ट फोन वितरण में फर्जीवाड़ा न हो, इसके लिए यह कदम उठाए गए हैं। गौरतलब है कि पीजी व बी.टेक के छात्र-छात्राओं को सरकार की ओर से टैबलेट और स्नातक वालों को स्मार्ट फोन दिए गए हैं।

### 'अलग-अलग चुनाव होने से देश को हो रहा नुकसान'

जास • लखनऊ : 'देश को समृद्धि और सुशासन की ओर ले जाने के लिए 'वन नेशन वन इलेक्शन' बहुत आवश्यक है। केंद्र, राज्यों व स्थानीय निकायों में अलग-अलग एवं बार-बार होने वाले चुनावों से देश को आर्थिक नुकसान हो रहा। इससे देश पूरी तरह से खोखला होता जा रहा है। देश में 'वन नेशन वन इलेक्शन' की संवैधानिक व्यवस्था लागू होने से देश विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। यह विचार नगर निकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के अटल सुशासन पीठ में लोक प्रशासन विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में रखे।

एन इनिशिएटिव फार गुड गवर्नेंस' विषय पर हुए सेमिनार में ऊर्जा मंत्री ने स्मारिका तथा सुशासन और विकसित भारत की संकल्पना नामक पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि 'वन नेशन वन इलेक्शन' से देश की प्रशासनिक क्षमता बढ़ेगी। विकास कार्यों की गति मिलेगी। पूरे देश में सुशासन एवं गुड गवर्नेंस की स्थापना भी होगी। साथ ही जनकल्याणकारी व आर्थिक नीतियों को लागू करने में बार बार रुकावटें नहीं आयेंगी। उन्होंने कहा कि अलग-अलग होने वाले चुनावों से विकास कार्यों व गरीबों तक पहुंचने वाली जरूरी मदद में रुकावट आती है। देश को इससे आर्थिक नुकसान भी हो रहा है।

दो दिवसीय सेमिनार का नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने दीप जलाकर शुभारंभ किया • लोकमत से साभार

1952 में थी एक चुनाव की व्यवस्था : 1952 से लेकर 1967 तक पूरे देश में एक चुनाव की व्यवस्था लागू थी। फिर से इस व्यवस्था के लागू होने से देश के विकास के रफ्तार की गति मिलेगी। पब्लिक भी चुनाव का बेसब्री से इंतजार करेगी, चुनाव को लेकर उनकी उदासी खत्म होगी। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों का आह्वान किया कि इस व्यवस्था के पक्ष में जनजागृति लाएं, सभी इसके पक्ष में अपनी एक राय भी बनाएं। इस अवसर पर प्रमुख सचिव एल. वेंकटेश्वर लू, नेशनल यूनिवर्सिटी भोपाल के कुलपति प्रो. बलराज चौहान, लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के प्रमुख प्रो. नंदलाल भारती, प्रोफेसर वीके मेनन भी उपस्थित रहे।

#### पांचवीं नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचीं चार टीमें

जागरण संवाददाता • लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से आयोजित पांचवीं नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में शनिवार को अद्भुत कानूनी बहसों का दृश्य प्रस्तुत किया। देश के विभिन्न राज्यों से आई 29 टीमों ने जोश और कौशल के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रारंभिक दौर में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिसमें दो चरणों की कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया का संचालन एक प्रतिष्ठित जजों के पैनल ने किया। गहन विचार-विमर्श और मंथन के बाद आठ टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जैसे-जैसे प्रतियोगिता आगे बढ़ी, कानूनी बहसें और भी तीव्र होती गईं। अंततः चार टीमें सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाने में सफल रहीं। सेमीफाइनल, फाइनल मुकाबले के साथ समापन समारोह रविवार को होगा।

### मानचित्र में दूरी नापने के बताए श्रेष्ठतम तरीके

जासं • लखनऊ : लवि के गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग में शनिवार से दो दिवसीय भारत गणित परिषद के 71वें वार्षिक सम्मेलन की शुरुआत हुई। गणित व अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति-एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन विषय पर आयोजित सम्मेलन में देश भर से गणितज्ञ और शोधकर्ता शामिल हुए। अतिथि पुणे विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो. एसए कात्रे ने गणितीय प्रगति के महत्व पर चर्चा की। फ्रांस से आए प्रो. अथांसे पापाडोपोलोस ने 'गणित और भूगोल में सतहों के बीच न्यूनतम फैलाव के मानचित्र पर प्रस्तुति दी।

उन्होंने संसार के मानचित्र में दूरी नापने के श्रेष्ठतम तरीके भी बताए। प्रो. वेंकटेश्वर तिवारी ने निरंतर वक्रता वाले स्थानों में फंक-फिंसलर संरचनाओं पर चर्चा की। प्रो. पीयूष चंद्रा ने आधुनिक चुनौतियों से निपटने में गणितीय शोध की भूमिका पर बात की। इस अवसर पर प्रो. कमला डी सिंह, प्रो. वेंकटेश्वर तिवारी, प्रो. पीयूष चंद्रा, प्रो. पंकज माथुर व डा. बिनीत कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

उबले पानी के समीकरणों को हल करने पर चर्चा : मिजोरम एनआइटी के निदेशक प्रो. एस सुंदर ने जाली रहित ज्यामितीय संरक्षण भारित न्यूनतम वर्ग विधि का उपयोग करके उथले पानी के समीकरणों को हल करने के लिए अभिनव दृष्टिकोण पर चर्चा की। एनआइटी नागपुर के निदेशक प्रो. पीएल पटेल ने निचली तापी नदी, भारत में बाढ़ की लहरों के प्रसार के संख्यात्मक माडलिंग पर केस स्टडी प्रस्तुत की। एपी सेन सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया।

DAINIK JAGRAN PAGE 1

## संवादी में अभिव्यक्ति ने स्पर्श किए विमर्श के नए आयाम

अभिलाषा वाजपेयी • जागरण

लखनऊ: अभिव्यक्ति के उत्सव संवादी ने शुभारंभ के साथ ही विमर्श के नए आयाम स्पर्श किए। आयोजन का प्रथम दिवस बौद्धिक क्षुधापूर्ति की आस लेकर आए लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरा। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ किया।

उन्होंने दसवां सोपान स्पर्श कर चुके कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि समाज में व्याप्त समस्याओं, विवाद व संशयों का एकमात्र समाधान सकारात्मक संवाद है। आज इंटरनेट मीडिया के समय में संवादहीनता बढ़ गई है। ऐसे में दैनिक जागरण का यह प्रयास सराहनीय है। राज्यपाल ने जागरण बेस्ट सेलर की सूची जारी की। उद्घाटन सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति डा आलोक राय तथा दैनिक जागरण के राज्य संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल उपस्थित रहे।

उद्घाटन के पश्चात साहित्य से प्रारंभ हुई चर्चा ने सहमति-असहमति तथा व्यंग्य-कटाक्ष के बीच करतल ध्वनि बटोरी। साहित्य को भी नेहरू और मोदी युग में बांटने के प्रयास पर मतभिन्नता ने मंच से दीर्घा तक अपना प्रभाव छोड़ा। इसमें प्रो. सुधीश पचौरी, प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. पवन अग्रवाल के साथ अनंत विजय ने संवाद किया। प्रो. उदय प्रताप सिंह ने तंज कसा कि पुस्तक के लेखक सुधीश ने मोदी युग का जो जुमला फेंका है, वह इनकी मजबूरी है। इस पर अगला प्रश्न हुआ- मोदी के गुणगान से क्या हासिल हो जाएगा? अनंत विजय ने पूछा, विभाजन की पीड़ा, 84 के दंगे और 90 के बाद के काल को साहित्य में स्थान क्यों नहीं मिला? प्रो. उदय बोले- हिंदी वाले दूर तक नहीं सोचते। वक्फ संपत्ति संशोधन विधेयक पर हुई चर्चा के सत्र ने कई शंकाएं दूर कीं। सार यह रहा है कि प्रस्तावित विधेयक को लेकर सत्यता लगभग 'अश्वत्थामा हतो...'वाली ही है। मंच पर मौजूद संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने स्पष्ट कहा कि इस पर बताया कुछ जा रहा है, लेकिन सत्य कुछ और है।

इसके बाद लेखिका नाइश हसन की पुस्तक 'मुताह' और निर्मल पांडेय की 'पुस्तक हिंदुत्व का राष्ट्रीयकरण' के झकझोरने वाले तथ्यों ने दीर्घा को गंभीर कर दिया। यह सुनकर लोगों को आश्चर्य था कि अब भी 10-15 दिन और दो माह की शादी हो रही है। निर्मल ने कहा, कुछ विघटनकारी ताकतों ने भारत को कभी राष्ट्र नहीं माना। 'जागरण हिंदी बेस्टसेलर' में इस बार हिंदुओं का हश्र, महाभारत का अनावरण और वीर सावरकर को शामिल किया गया। संचालन लेखक नवीन चौधरी ने किया। लेखिका अमि गणात्रा ने धर्म की व्याख्या की। विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि आजाद भारत के इतिहासकारों ने इस्लाम के बलपूर्वक विस्तार की घातक प्रवृत्तियों को छिपा कर रखा। लेखक और इतिहासकार उदय माहुरकर ने कहा, वीर सावरकर राष्ट्रीय सुरक्षा के पितामह थे। 'रजवाड़ों की विरासत' पर हुई वार्ता में दरभंगा के राजा युवराज कुमार कपिलेश्वर सिंह, अयोध्या के यतीन्द्र मिश्र, गुजरात के बालानिसोर की आलिया बाबी के साथ प्रशांत कश्यप ने रोचक बातें कीं। 'राष्ट्र निर्माण के सौ वर्ष' पर केंद्रित चर्चा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेन्द्र ठाकुर ने संवाद किया। 'रोमांस का राजा' सत्र में राज कपूर, लता और गुलजार के जीवनी लेखक यतीन्द्र मिश्र, संगीत विशेषज्ञ यूनुस खान और गायक पंकज कुमार ने श्रोताओं को बांधे रखा।

शनिवार को जागरण संवादी कार्यक्रम के दौरान बेस्टसेलर कृतियों की सूची जारी करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साथ में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक कुमार राय (बाएं) व दैनिक जागरण के राज्य संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल • जागरण

- राज्यपाल आनंदीबेन ने किया दो दिवसीय उत्सव का शुभारंभ
- सात सत्रों में साहित्य, सिनेमा व वक्फ संपत्ति पर हुआ विमर्श

संबंधित सामग्री
जागरण सिटी। और III

LOKSATYA PAGE 2

## समृद्धि-सुशासन के लिए 'वन नेशन वन इलेक्शन' जरूरी

### लखनऊ विश्वविद्यालय में हुए राष्ट्रीय सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे मंत्री एके शर्मा

सेमिनार

- अलग-अलग चुनावों से विकास कार्यों व गरीबों की जरूरी मदद में आती है रुकावट
- केंद्र, राज्यों व स्थानीय निकायों में बार-बार चुनाव से देश हो रहा खोखला

लखनऊ, लोकसत्य। देश को समृद्धि और सुशासन की ओर ले जाने के लिए 'वन नेशन वन इलेक्शन' बहुत आवश्यक है। केंद्र, राज्यों व स्थानीय निकायों में अलग-अलग एवं बार-बार होने वाले चुनावों से देश को आर्थिक नुकसान हो रहा और देश पूरी तरह से खोखला होता जा रहा है। देश में 'वन नेशन वन इलेक्शन' की संवैधानिक व्यवस्था लागू होने से देश विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। देश की प्रशासनिक क्षमता बढ़ेगी व विकास कार्यों को गति मिलेगी और पूरे देश में सुशासन एवं गुड गवर्नेंस की स्थापना होगी। जनकल्याणकारी व आर्थिक नीतियों को लागू करने में बार बार रुकावटें नहीं आयेंगी। अलग-अलग होने वाले चुनावों से विकास कार्यों व गरीबों तक पहुंचने वाली जरूरी मदद में रुकावट आती है। चुनावों के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा समाज में व्याप्त भाईचारे को भी तोड़ने की कोशिश की जाती है। इसमें भी कमी आएगी।

उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके. शर्मा शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के अटल सुशासन पीठ में पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के अंतर्गत 'One Nation One Election': An Initiative for Good Goverence' विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर अपने विचार व्यक्त किया और अपने प्रेरणादाई संबोधन से उपस्थित गणमान्य जनों को प्रेरित भी किया। उन्होंने इस विषय पर उपस्थित जनों से चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव और अल्पकालिक सरकारों के कारण लोगों को बहुत ही अव्यवस्था का सामना करना पड़ता है। इस दौरान विकास की कोई बात नहीं होती, सिर्फ चुनाव की चर्चा होती है। मोदी जी चाहे मुख्यमंत्री रहे हो या अभी प्रधानमंत्री स्थाई सरकार ही चलाई है। इससे अस्थाई सरकारों व बार-बार के चुनावो से देश को कुछ तो मुक्ति मिली है। देश को विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए जरूरी है कि बार-बार के चुनाव से मुक्ति मिले, जिससे नौजवानों के रोजगार के लिए, नई योजनाओं व नीतियों को बनाने के लिए भी समय मिल सके। उन्होंने कहा कि 1952 से लेकर 1967 तक पूरे देश में एक चुनाव की व्यवस्था लागू थी। फिर से इस व्यवस्था के लागू होने से देश के विकास के रफ्तार को गति मिलेगी। आर्थिक रूप से देश समृद्ध बनेगा। पब्लिक भी चुनाव का बेसब्री से इंतजार करेगी, चुनाव को लेकर उनकी उदासी खत्म होगी। चुनाव में वोटर की भागीदारी बढ़ेगी। क्षेत्रीय पार्टियों को भी फायदा होगा। उन्होंने उपस्थित सभी विद्वतजनों व नवयुवकों का आह्वान किया कि इस व्यवस्था के पक्ष में जनजागृति लाएं, सभी इसके पक्ष में अपनी एक राय भी बनाएं। एके. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी एवं गृहमंत्री जी व उनकी टीम तथा देश के विद्वतजन मिलकर इस दिशा में देश को आगे ले जाएंगे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

## एलयू में हुआ नाटक काकोरी एक्शन का नाट्यपाठ

लखनऊ,लोकसत्य। क्रांतिकारी पं राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी और चद्रंशेखर आजाद की देश को आजाद कराने की ललक। ब्रिटिश हुकूमत की बर्बरता और काकोरी ट्रेन एक्शन की योजना और इस घटना को कामयाब करने वाले क्रांतिकारियों को फांसी भारत के जनाक्रोश के दृश्यों को लखनऊ विवि के एपीसेन सभागार में कलाकारों ने प्रभावपूर्ण संवादों और क्रांतिकारी गीतों से जी